संख्या-34/1078/41-2014-38 यो0/12

प्रेषक,

श्याम मोहन तिवारी,
अनुसचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा मे,

महानिदेशक,
पर्यटन,
उ0प्र0 लखनऊ ।

पर्यटन अनुभाग **लखनऊ दिनांक-13 सितम्बर, 2014**

विषय:- **<u>केन्द्रीय सहायता के अन्तर्गत जनपद सिद्धार्थनगर स्थित ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थल भारत भारी के पर्यटन विकास की योजना की स्वीकृति।</u>**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशालय के पत्र संख्या-168/6-1-1 (448)/2013-14, दिनांक 08.05.2014 का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

(2) उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में केन्द्रीय सहायता के अन्तर्गत जनपद सिद्धार्थनगर स्थित ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थल भारत भारी का पर्यटन विकास किये जाने की योजना हेतु कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग द्वारा गठित आगणन के परीक्षणोपरान्त आंकलित लागत रू0-465.20 लाख (रूपये चार करोड़ पैंसठ लाख बीस हजार मात्र) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुये भारत सरकार द्वारा स्वीकृत प्रथम किश्त रू0-93.49 लाख के सापेक्ष अवमुक्त की गयी धनराशि रू0-1.00 लाख (रूपये एक लाख मात्र) की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष अनुमति निम्नलिखित शर्तो के अधीन प्रदान करते हैं:-

1- भारत सरकार ने स्वीकृति पत्र संख्या-5 पीएनसी (57)/2013, दिनांक-04.03.2014 के द्वारा उक्त योजना अनुमोदित की है। उक्त स्वीकृति पत्र में

http://shasanadesh.up.nic.in

उल्लिखित भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कार्यमदों पर स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय नियमानुसार किया जायेगा।

2- स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय सुसंगत वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।

3- स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य प्रयोजन हेतु कदापि नहीं किया जायेगा एवं उक्त कार्यो को अनुमोदित लागत के सीमान्तर्गत ही किया जायेगा।

4- कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति की सूचना व उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को ससमय उपलब्ध कराया जायेगा।

5- यदि कोई धनराशि बचती है तो उसे तत्काल शासन को समर्पित/राजकोष में जमा कराने की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

6- यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उपरोक्तांकित स्वीकृत योजनान्तर्गत कार्यो हेतु किसी अन्य स्त्रोतों से धनराशि प्राप्त न की गयी हो। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि इस योजना की वर्तमान तथा भविष्य में अन्य योजनाओं में द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति न हो और इसके रख-रखाव हेतु राज्य सरकार के ऊपर व्यय-भार न पडे।

7- योजना का अनुश्रवण शासन द्वारा गठित राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति द्वारा नियमित रूप से सुनिश्चित किया जायेगा एवं मासिक वित्तीय तथा भौतिक प्रगति राज्य सरकार एवं त्रैमासिक वित्तीय एवं भौतिक प्रगति भारत सरकार को उपलब्ध करायी जायेगी।

(3) उक्त के फलस्वरूप होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-44 के लेखा शीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत-80-सामान्य-104-संवर्धन तथा प्रचार-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित-योजनाओं-0115-डेस्टिनेशन/सर्किट डेवलपमेंट योजनान्तर्गत पर्यटन स्थलों का विकास-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

http://sirsanadesh.up.nic.in

(4) यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-बी-1-2457/दस-2014-231/2014, दिनांक-22 जुलाई, 2014 तथा वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-बी-2-2528/दस-2014-10/77, दिनांक-26 अगस्त, 2014 के द्वारा प्रशासकीय विभाग को प्रतिनिहित अधिकारों के अधीन निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

श्याम मोहन तिवारी
अनुसचिव

<u>संख्या-34/1078 (1)/41-2014 तददिनांक</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, उ0प्र0 इलाहाबाद।
2. सचिव, पर्यटन मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3. निजी सचिव, मा0 पर्यटन मंत्री, उ0प्र0, लखनऊ।
4. जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर।
5. कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
6. वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-7
8. क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, गोरखपुर।
9. निदेशक, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ।
10. अधिशाषी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, सिद्धार्थनगर।
11. श्री राजा राम, वेब अधिकारी, पर्यटन विभाग को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि इसे वेब-साइट पर अंकित करना सुनिश्चित करें।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

श्याम मोहन तिवारी
अनुसचिव

http://shasanadesh.up.nic.in